भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †5844
सोमवार, 30 मार्च, 2026/9 चैत्र, 1948 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पुदुचेरी में पर्यटन का विकास

†5844. श्री वी. वैथिलिंगम:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने विरासत पर्यटन, तटीय पर्यटन, आध्यात्मिक केन्द्रों, फ्रांसीसी औपनिवेशिक वास्तुकला और पारिस्थितिकी-पर्यटन परिसंपत्तियों सहित पुदुचेरी की पर्यटन क्षमता का व्यापक मूल्यांकन किया है;

(ख) यदि हां, तो पुदुचेरी में पर्यटन विकास से जुड़े पर्यटन अवसंरचना निवेशों, विपणन पहलों, विरासत संरक्षण अनुदानों और रोजगार सृजन परिणामों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा संवहनीय पर्यटन को बढ़ावा देने, संपर्क बढ़ाने, सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और पुदुचेरी को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए की गई/प्रस्तावित नीतिगत पहलों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): अपनी विरासत, तटीय तथा आध्यात्मिक पर्यटन की क्षमता आदि के मूल्यांकन सहित पर्यटक स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है।

हालांकि, पर्यटन मंत्रालय अपनी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं जैसे - ‘स्वदेश दर्शन (एसडी)’, ‘स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0)’, ‘चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)’ - एसडी 2.0 की एक उप-योजना और ‘तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)’ के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को, उनसे योजना दिशानिर्देशों एवं सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप विस्तृत परियोजना रिपोर्टों (डीपीआर) की प्राप्ति पर तथा निधियों की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान करके, उनके पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करता है।

पुदुचेरी में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद के तहत पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय द्वारा अपनी योजनाओं के तहत गंतव्यों पर पर्यटन सुविधा को बेहतर बनाने वाले विभिन्न घटकों की मंज़ूरी पर विचार किया जाता है, जिसमें पर्यटन के मुख्य उत्पादों, पर्यटन संबंधी गतिविधियों, सुरक्षा, स्वच्छता, संपर्कता, पार्किंग, सामान्य स्थल विकास, सॉफ्ट इंटरवेंशन आदि से संबंधित घटक शामिल हैं। मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने और पूरी हो चुकी परियोजनाओं के सुदृढ़ अनुरक्षण एवं रखरखाव (ओ एंड एम) को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सके, स्थानीय रोजगार का सृजन हो सके और समग्र पर्यटक संतुष्टि में सुधार हो सके।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न पहलों के माध्यम से विरासत, संस्कृति पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों का समग्र रूप से संवर्धन करता है। इस प्रकार के संवर्धन कार्य विभिन्न मंचों, कार्यक्रमों, वेबसाइटों, सोशल मीडिया पर की गई प्रचार आदि विभिन्न विपणन पहलों के माध्यम से किए जाते हैं।

पुदुचेरी सरकार ने सूचित किया है कि उसने संस्कृति और विरासत, तटीय, आध्यात्मिक और इको-पर्यटन पहलुओं सहित पर्यटन क्षमता के विकास के लिए एक व्यापक गंतव्य मास्टर प्लान तैयार किया है।

*****

अनुबंध

श्री वी. वैथिलिंगम द्वारा पुदुचेरी में पर्यटन के विकास के संबंध में दिनांक 30.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †5844 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पुदुचेरी में एसडी, एसडी 2.0, सीबीडीडी और प्रशाद के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

योजना	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष/परिपथ	स्वीकृत राशि
स्वदेश दर्शन	दुबरायापेट - अरिकामेडु - वीरमपट्टिनम - चुन्नम्बर - नल्लावाडु/नरमबाई - मनापेट - कालापेट - पुडुचेरी - यानम का विकास	तटीय परिपथ 2015-16	58.44
	फ्रैंको - तमिल गांव, कराईकल, माहे और यानम का विकास	विरासत परिपथ 2017-18	49.44
	पुडुचेरी में आध्यात्मिक परिपथ का विकास	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	34.96
स्वदेश दर्शन 2.0	कराईकल बीच और वाटरफ्रंट एक्सपीरियंस	2023-24	20.30
सीबीडीडी	व्हाइट टाउन का विकास	2024-25	22.19
प्रशाद	श्री धरबारण्येश्वर मंदिर के लिए तीर्थयात्री सुविधाओं और पर्यटक आकर्षणों का विकास	2024-25	25.94

*****